THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRi K P. UNNI-KRISHNAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

टेलीफोन की सार्वजनिक उपयोगिता की व्यवहारहीन सेवाएं

2503. डा० अबरार अहमद खान : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि टेलीफोन नम्बर, 197, 199 तथा 198 की सार्वजनिक उपयोगिता की सेवायें पूरी तरह से निष्क्रिय, लापरवाह और व्यवहारहीन हो गई हैं, यदि हां, तो सरकार उनको और सक्रिय तथा और योग्य बनाने के लिये क्या कदम उठा रही है ;

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जनेश्वर मिश्र) : जी, नहीं। 197, 199 और 198 की जन उपयोगी सेवाएं अकुशल नहीं हुई हैं। कभी-कभी विलंब से जवाब आने का कारण या तो भारी परियात हो सकता है या कुछ अवसरों पर प्रचालन स्टाफ की बड़े पैमाने पर गैर हाजिरी।

इन सेवाओं में, विशेषकर बड़े केन्द्रों में, सुधार लाने के उद्देश्य से निम्नलिखित द्वारा निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं:—

(1) संकुलन दूर करने के लिए इलेक्ट्रानिक एक्सचेंजों के जरिए परियात को बदलना,

(2) कुछ बड़े केन्द्रों में 197 और 198 की सेवाओं का कम्प्यूटरीकरण।

Publication of the Telephone Directories

2504. DR. ABRAR AHMED KHAN: Will the Minister pf COMMUNICATIONS be pleased to refer to answer to Unstarred Question 1967 given in the Rajya Sabha on the 28th March, 1990 and state:

(a) what is the number of contractors who. were awarded pecuniary punishments qr blacklisted for delay in publication of the Telephone Directories;

(b) whether' the same contractors are still working; if so, the reasons therefor; and

(c) the 'reasons for which 197 ?ervice is not able to' give the number of a particular person even three months after installation qf telephone connection at his premises?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI JANESHWAR MISHRA): (a) to (c) The information is being collected and will be. laid on the table of the House, ',

एस०टी०डी० सुविधा के बारे में टेलीफोन ग्राहकों की शिकायतें

2505. डा० अबरार अहमद खान : क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) एस० टी० डी० सुविधा-प्राप्त अधिकतर टेलीफोन ग्राहकों की इन शिकायतों के कारण क्या हैं कि उन्होंने बहुत कम कालें की होती हैं परन्तु उनको बहुत बड़ी राशि के बिल भेज दिये जाते हैं, क्या यह भी सच है कि कुछ विभागीय कर्मचारी भी इस संबंध में शरारत करते हैं और टेलीफोन ग्राहक से प्रदान की गई एस०टी०डी० सुविधा का दुरुपयोग करते हैं, क्या इस प्रकार के कदाचार के कुछ मामले सरकार के सामने आये हैं, और क्या ऐसे कर्मचारियों को सरकार ने पकड़ा है, क्या सरकार ने टेलीफोन ग्राहकों द्वारा इस संबंध में की गई शिकायतों की जांच की है, यदि हां, तो उसका क्या परिणाम निकला है ! और

(ख) इस प्रकार के कदाचार न हों तथा टेलीफोन के ग्राहकों को अपनी एस० टी०डी० सुविधा का दुरुपयोग किये जाने के बारे म शिकायत न करनी पड़े इस बात को सुनिश्चित करने के लिये सरकार